

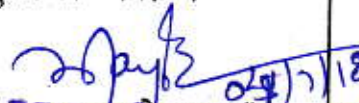
दिनांक

आज्ञा पत्र



में आगामी पेशी 4-7-2018 नियत की गई। इसके बाद पत्रावली में बिना किसी प्रकार की कार्यवाही किये ही दिनांक 4-6-2018 को नियत तारीख पेशी से पूर्व ही तलब कर बिना पक्षकारों की मौजूदगी में ही प्राथमिक डिफ़ी जारी कर दी। अदालत मातहत ने आदेशिका में कहीं नहीं लिखा पक्षकार अथवा उनके वकील अभिभावक उपस्थित आये हों। अदालत मातहत की आदेशिकाओं के अवलोकन से यह स्पष्ट है कि न तो दावे में विधिक प्रक्रिया पूर्ण की है और ना ही पक्षकारों को सुनवाई का अवसर दिया गया है। अतः ऐसी स्थिति में हम यह उचित मानते हैं कि प्रकरण को अदालत मातहत को इसी स्तर पर रिमाण्ड कर दावे में अपनाई जाने वाली विधिक प्रक्रिया को अपनाते हुये पक्षकारों को साक्ष्य सबूत का अवसर देते हुये अपना निर्णय पुनः पारित करें तथा साथ ही दावे के निर्णय तक उभयपक्ष विवादित आराजी की रेकार्ड एवं मौके की यथास्थिति भी बनाये रखे।

अतः उपरोक्त विवेचन के परिप्रेक्ष्य में अपील अपीलान्ट स्वीकार की जाती है तथा विद्वान उम खण्ड अधिकारी धोद का निर्णय एवं डिफ़ी दिनांक 4-6-2018 को खारिज किया जाता है तथा प्रकरण अदालत मातहत को उक्तानुसार रिमाण्ड किया जाता है। पक्षकार अदालत मातहत में दिनांक 24-8-2018 को उपस्थित हों। निर्णय सुनाया गया।


 मुन्नी देवी अदालत
 मुन्नी देवी अदालत अधिकारी
 पटेल राजस्व अपील प्राधिकारी
 सीकर